डीडीजी (कृषि अभियांत्रिकी) डॉ एस एन झा का आईसीएआर- निनफेट में दौरा,

16 अप्रैल, 2026, कोलकाता

माननीय उप महानिदेशक (कृषि अभियांत्रिकी) डॉ एस एन झा ने आज आईसीएआर- निनफेट, कोलकाता का दौरा किया। अपने इस दौरे के दौरान उन्होंने संस्थान के डॉ. पी. बी. सरकार भवन में नव-निर्मित एलीवेटर (लिफ्ट) सुविधा का उद्घाटन किया। इस अवसर पर निदेशक डॉ डी बी शक्यवार, विभिन्न प्रभागों के अध्यक्ष, संस्थान के कर्मचारीगण तथा सीपीडब्ल्यूडी के अधिकारी उपस्थित रहे। डॉ. झा ने इस बहुप्रतीक्षित सुविधा के साकार होने पर संस्थान के प्रयासों की सराहना की तथा कहा कि यह सुविधा विशेष रूप से कर्मचारियों, सेवानिवृत्त कर्मियों एवं आगंतुकों, खासकर वरिष्ठ नागरिकों के लिए अत्यंत लाभकारी होगी।

इसके उपरांत कर्मचारियों के साथ एक संवाद बैठक आयोजित की गई, जिसमें निदेशक ने संस्थान की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला तथा आईसीएआर मुख्यालय से प्राप्त सतत मार्गदर्शन एवं सहयोग के प्रति आभार व्यक्त किया। अपने संबोधन में डॉ. झा ने संस्थान की कार्यकुशलता एवं दृश्यता बढ़ाने के लिए सामूहिकता, समर्पण, समयबद्धता एवं उत्तरदायित्व के महत्व पर बल दिया।

दोपहर बाद "नव-युगीन रेशे: वर्तमान स्थिति एवं भविष्य की संभावनाएँ" विषय पर एक मंथन सत्र का आयोजन आईसीएआर- निनफेट एवं दी इंडियन नेचूरल फ़ाइबर सोसाइटी द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। इस सत्र की अध्यक्षता डॉ. झा ने की तथा इसका समन्वयन निदेशक द्वारा किया गया। इसमें वैज्ञानिकों, स्टार्ट-अप्स, उद्योग भागीदारों एवं उद्यमियों ने सक्रिय भागीदारी की। इस अवसर पर डॉ प्रतीक श्रीवास्तव द्वारा फाइबर मशीनीकरण एवं रोबोटिक्स तथा डॉ माणिक भौमिकक द्वारा नव-युगीन रेशों के मूल्य संवर्धन एवं प्रसंस्करण पर तकनीकी प्रस्तुतियाँ दी गईं।

संस्थान द्वारा विकसित जूट-कपास मिश्रित लिनन-प्रेरित वस्त्र तकनीक का भी प्रदर्शन किया गया, जिसमें उन्नत कॉटनाइजेशन प्रक्रिया के माध्यम से 30S Ne तक के सूत का उत्पादन संभव हुआ है तथा 100 जीएसएम का हल्का, वायु संचारित एवं परिधान हेतु उपयुक्त कपड़ा विकसित किया गया है। यह तकनीक आईसीएआर- निनफेट के सहयोग से विकसित की गई है तथा अरविन्द लिमिटेड में सफलतापूर्वक विस्तारित (स्केल-अप) की जा चुकी है।

उद्योग भागीदार M/s Hind Yarns Ltd. के प्रतिनिधि Rahul Agrawal ने भांग (हेम्प) रेशा पर एक दूरदर्शी दस्तावेज प्रस्तुत किया। संस्थान द्वारा विकसित वीगन लेदर तकनीक पर आधारित वीडियो प्रस्तुति भी प्रदर्शित की गई। इस अवसर पर M/s Farmdo Private Limited, नोएडा एवं आईसीएआर-निनफेट के मध्य दो समझौता ज्ञापन (MoAs) पर हस्ताक्षर किए गए, जिनमें (i) अनानास एवं केले के रेशों से वीगन लेदर उत्पादों के उत्पादन हेतु लाइसेंसिंग तथा (ii) अनानास एवं केले के रेशों के निष्कर्षण हेतु कॉमन फैसिलिटी सेंटर (CFC) की स्थापना शामिल है। डॉ. झा ने इस पहल के लिए भागीदार संस्थाओं को बधाई दी तथा नव-युगीन रेशा प्रौद्योगिकी के विकास हेतु विभिन्न क्षेत्रों के बीच सहयोग को प्रोत्साहित किया।

कार्यक्रम का समापन प्राकृतिक रेशों में उद्यमिता के अवसरों पर सार्थक चर्चाओं के साथ हुआ। डॉ. झा ने इन रेशों के उज्ज्वल भविष्य के प्रति आशा व्यक्त करते हुए सभी हितधारकों से इनके प्रसार एवं विकास हेतु सामूहिक प्रयास करने का आह्वान किया।

(स्रोत: आईसीएआर- निनफेट, कोलकाता)

DDG (Agril. Engg.) Dr. S. N. Jha Visits ICAR-NINFET, Inaugurates Facility and Reviews New-Age Fibre Innovations

April 16, 2026, Kolkata:

Hon'ble Deputy Director General (Agricultural Engineering), Dr. S. N. Jha, visited ICAR-NINFET, Kolkata, today. During his visit, he inaugurated the newly constructed elevator facility at the Dr. P. B. Sarkar Building of the Institute. The occasion was attended by the Director, Dr. D. B. Shakyawar, Heads of Divisions, staff members, and CPWD officials. Dr. Jha appreciated the efforts of the Institute in realizing this long-awaited facility and noted that it would greatly benefit employees, retired personnel, and visitors, particularly the elderly.

An interaction meeting with the staff was held subsequently, wherein the Director highlighted the achievements of the Institute and acknowledged the continued guidance and support from ICAR Headquarters. In his address, Dr. Jha emphasized the importance of cohesion, dedication, timeliness, and accountability for enhancing institutional visibility and performance.

A post-lunch brainstorming session on *"New Age Fibres: Present Status and Future Perspectives"* was jointly organized by ICAR-NINFET and The Indian Natural Fibre Society. The session, chaired by Dr. Jha and coordinated by the Director, witnessed participation from scientists, start-ups, industry partners, and entrepreneurs. Technical presentations were delivered by Dr. Prateek Shrivastava on fibre mechanization and robotics, and Dr. Manik Bhowmick on value addition and processing of new-age fibres.

The Institute also showcased its innovation in developing a jute–cotton blended linen-inspired fabric through an advanced cottonization process, producing yarns up to 30S Ne and a lightweight, breathable 100 GSM fabric suitable for apparel. This technology, jointly developed with ICAR-CIRCOT, has been successfully scaled up at Arvind Limited.

Industry partner M/s Hind Yarns Ltd., represented by Rahul Agrawal, presented a visionary document on hemp fibre. A video presentation on vegan leather technology developed by the Institute was also showcased. On this occasion, two Memoranda of Agreement (MoAs) were signed between M/s Farmdo Private Limited, Noida and ICAR-NINFET for (i) licensing the production of vegan leather products from pineapple and banana fibres, and (ii) establishment of a Common Facility Centre (CFC) for fibre extraction from pineapple and banana. Dr. Jha congratulated the partners and encouraged collaborative efforts across sectors for advancing new-age fibre technologies.

The programme concluded with insightful discussions on entrepreneurial opportunities in natural fibres, with Dr. Jha expressing optimism about their future and urging all stakeholders to work collectively for their promotion and development.

(Source: ICAR- National Institute of Natural Fibre Engineering and Technology, Kolkata)

Inauguration of Lift

Felicitated from ARSSF & TNFS

Exchange of MoAs

Brainstorming Session